वर्ष 10, अंक 119

सहयोग शुल्क : रु.1 / सितंबर 2026

दिव्यांग सेतु

संपादक : संतश्री ॐऋषि प्रितेषभाई

दिव्यांगता किसी व्यक्ति की सीमा नहीं, बल्कि उसकी अंतर्निहित शक्ति और संघर्ष सफलता की ओर बढ़ने की प्रेरणादायक यात्रा है। जब आत्मविश्वास जागता है, तो हर चुनौती नई संभावना का द्वार बन जाती है।

(प .पू .संतश्री सदगुरु ॐऋषि स्वामी)

दिव्यांगजन हमारे समाज की शक्ति हैं। उन्हें समान अधिकार, सम्मान और अवसर देना हम सबकी जिम्मेदारी है। एक ऐसा भारत बनाना है जहाँ हर दिव्यांगजन आत्मनिर्भर बने, अपने सपनों को उड़ान दे और राष्ट्र निर्माण में समान भागीदारी निभाए।

(प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी)

निरामय हेल्थ पॉलिसी

पात्रता

- केन्द्र सरकार द्वारा चलाई जा रही यह पॉलिसी सेरेब्रलपाल्सी, ऑटिज्म, मेन्टल रिटार्डेशन, मल्टिपल डिसेबिलिटी से असरग्रस्त दिव्यांगो को मिल सकती है।
- ४०% अथवा उससे अधिक दिव्यांगता से असरग्रस्त व्यक्ति को इस पॉलिसी का लाभ मिल सकेगा।
- रू. २५०/- बी.पी.एल. एवं रु.५००/- ए.पी.एल. दिव्यांगो के लिए सिंगल प्रीमियम

लाभ

रु. १,००,०००/- तक का इंश्योरेंस मिल सकता है।
(निर्धारित किए हुए फंड के अनुसार)

आवेदनपत्र के साथ जमा किए जाने वाले प्रमाणपत्र/दस्तावेज

सिविल सर्जन का दिव्यांगता दर्शाता प्रमाणपत्र

(ऊपर बताई गई चार बीमारियों में से किसी भी एक का उल्लेख प्रमाणपत्र में जरुरी है)

- ✓ वर्तमान की पासपोर्ट साइज़ फोटो
- ✓ राशनकार्ड की प्रमाणित कोपी
- ✓ निवास स्थान का प्रमाण (राशनकार्ड अथवा वोटिंग कार्ड)
- ✓ बी.पी.एल. कार्ड (यदि बी.पी.एल. में आते हैं तो)
- ✓ बैंक पासबुक की फोटो कोपी (बैंक IFSC कोड के साथ)

संपादकीय

समय हमें बार-बार यह सिखाता है कि किसी व्यक्ति की वास्तविक पहचान उसकी शारीरिक सीमाओं से नहीं, बल्कि उसके साहस, प्रतिभा, आत्मविश्वास और संकल्प से होती है। दिव्यांगजन समाज के ऐसे ही सशक्त सदस्य हैं, जिन्हें यदि उचित अवसर, सम्मान और सहयोग मिले, तो वे हर क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बना सकते हैं। हाल ही में भारतीय दिव्यांग पुरुष क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों ने अपने शानदार प्रदर्शन से देश को गौरवान्वित किया। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह से खिलाड़ियों की मुलाकात और उन्हें मिला प्रोत्साहन इस बात का उदाहरण है कि दिव्यांग प्रतिभाओं को पहचान और प्रोत्साहन देने की दिशा में समाज को निरंतर आगे बढ़ने की आवश्यकता है। इन खिलाड़ियों का संघर्ष, समर्पण और सफलता लाखों बच्चों एवं युवाओं के लिए प्रेरणादायी है। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए विभिन्न संस्थाओं द्वारा दिव्यांग बच्चों के मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक विकास के लिए किए जा रहे प्रयास भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। विशेष यज्ञ, स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर तिरंगा बनाना, राष्ट्रगान एवं देशभक्ति गतिविधियों में सहभागिता, सारंगपुर हनुमानजी के दर्शन तथा फ्रेंडशिप डे जैसे आयोजन बच्चों के जीवन में खुशी, आत्मविश्वास, अपनापन और सामाजिक जुड़ाव की भावना को मजबूत करते हैं। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दिव्यांग बच्चों द्वारा प्रस्तुत फैंसी ड्रेस, देशभक्ति गीत और नृत्य यह संदेश देते हैं कि प्रतिभा किसी शारीरिक सीमा की मोहताज नहीं होती। जरूरत केवल सही अवसर, प्रोत्साहन, सम्मान और विश्वास की है। 'दिव्यांग सेतु' का उद्देश्य भी इसी विचार को समाज तक पहुँचाना है—दिव्यांगजनों को दया नहीं, बल्कि सम्मान, समान अधिकार और समान अवसर मिलें। उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ते हुए उनकी प्रतिभा को पहचानना और उनके सपनों को आगे बढ़ने के लिए उचित मंच प्रदान करना हम सभी की जिम्मेदारी है। क्योंकि जब समाज के हर व्यक्ति को अपनी प्रतिभा दिखाने और आगे बढ़ने का समान अवसर मिलता है, तभी एक सशक्त, संवेदनशील और समावेशी भारत का निर्माण संभव होता है।

दिव्यांग सेतु

मासिक पत्रिका

सितंबर 2026, पृष्ठ संख्या – 16

वर्ष – 10 | अंक – 119

प्रेरणास्त्रोत और संपादक

मंत्रयुगपरिवर्तक ॐकार महामंडलेश्वर १००८
प. पू. संतश्री सद्गुरु ॐऋषि स्वामी ।

सह-संपादक

मिहिरभाई शाह
मो. 97241 81999

संपर्क-सूत्र

सेवा समर्पण फाउण्डेशन
ॐकार फाउन्डेशन ट्रस्ट(NGO)

Trust Reg. No.: E/20646/Ahmedabad

०१, ग्राउण्ड फ्लोर, आंगी एपार्टमेन्ट,
अन्नपूर्णा पार्टी प्लॉट के सामने, नया
विकासगृह रोड, पालडी,
अहमदाबाद - ३८०००७

(मो.) 99749 55365, 9974955125

मुद्रक

प्रिन्ट विज़न प्रा. लि.

आंबावाडी बाज़ार, अहमदाबाद-6

Phone : 079 26405200

वोइस टू दिव्यांग

ॐकार फाउंडेशन ट्रस्ट की सराहनीय पहल

15 अगस्त 2026 का पावन पर्व देशभर में स्वतंत्रता और राष्ट्रभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। इसी भावना को और अधिक जीवंत बनाते हुए ॐकार फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा दिव्यांग बच्चों के लिए स्वतंत्रता दिवस के भव्य एवं प्रेरणादायी उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने पूरे उत्साह, उमंग और आत्मविश्वास के साथ भाग लिया और अपनी प्रतिभा के माध्यम से देशभक्ति का सुंदर संदेश दिया। कार्यक्रम का सबसे आकर्षक हिस्सा फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता रही, जिसमें बच्चों ने विभिन्न स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्रभक्ति से जुड़े किरदारों का रूप धारण किया। कोई बच्चा स्वतंत्रता सेनानी के परिधान में नजर आया, तो किसी ने तिरंगे के तीन रंगों से सजे आकर्षक आउटफिट पहनकर देशप्रेम की भावना को प्रस्तुत किया। बच्चों ने रानी लक्ष्मीबाई, शहीद भगत सिंह, जवाहरलाल नेहरू और मिलिट्री ऑफिसर जैसे देश के गौरवपूर्ण चरित्रों का रूप धारण कर सभी का मन मोह लिया। प्रत्येक बच्चे ने अपने अलग अंदाज में देशभक्ति की भावना को प्रस्तुत किया और कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों की सराहना प्राप्त की। नन्हे बच्चों के चेहरे पर सजे आत्मविश्वास और देशभक्ति के भाव ने पूरे वातावरण को भावुक और गौरवपूर्ण बना दिया। उनके परिधानों के साथ-साथ उनकी प्रस्तुतियों ने यह संदेश दिया कि प्रतिभा और सपनों के सामने कोई शारीरिक चुनौती बाधा नहीं बन सकती। इन बच्चों ने अपने उत्साह और सहभागिता से यह साबित किया कि अवसर मिलने पर वे भी अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर सकते हैं। मंच पर उनकी उपस्थिति ने न केवल कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई, बल्कि उपस्थित लोगों के लिए एक प्रेरणादायी संदेश भी दिया। फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता के बाद बच्चों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत आज़ादी के गीत प्रस्तुत किए। बच्चों की मधुर आवाज़ और जोश से पूरा वातावरण देशभक्ति के रंग में रंग गया। उनके गीतों में देश के प्रति प्रेम, सम्मान और गर्व की भावना साफ दिखाई दी। इसके बाद बच्चों ने शानदार डांस परफॉर्मेंस देकर कार्यक्रम में नई ऊर्जा भर दी। उनके कदमों में उत्साह और चेहरे पर खुशी साफ दिखाई दे रही थी। उपस्थित लोगों ने तालियों के साथ बच्चों का उत्साह बढ़ाया और उनकी प्रस्तुतियों की सराहना की। बच्चों के लिए यह आयोजन केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं था, बल्कि अपनी प्रतिभा को पहचानने और उसे सभी के सामने प्रस्तुत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर भी था।

वोइस टू दिव्यांग

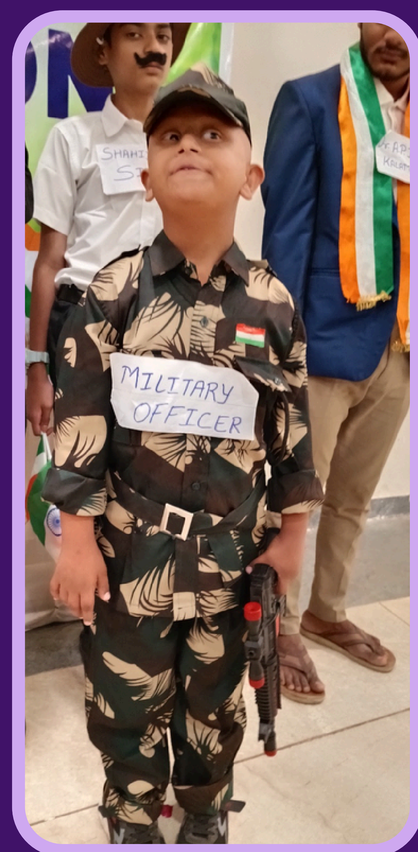

इस पूरे आयोजन को सफल बनाने में ॐकार फाउंडेशन ट्रस्ट की भूमिका विशेष रूप से सराहनीय रही। ट्रस्ट द्वारा बच्चों की प्रतिभा को मंच देने के साथ-साथ उनके लिए नाश्ते की भी विशेष व्यवस्था की गई। यह पहल केवल एक उत्सव तक सीमित नहीं रही, बल्कि दिव्यांग बच्चों को सम्मान, समान अवसर और अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बनी। दिव्यांग बच्चों के लिए इस तरह के आयोजन उनके मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों को समाज के साथ जुड़ने, अपनी प्रतिभा दिखाने और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। इन बच्चों की प्रस्तुतियों ने यह संदेश दिया कि किसी व्यक्ति की पहचान उसकी शारीरिक सीमाओं से नहीं, बल्कि उसके साहस, प्रतिभा, आत्मविश्वास और संकल्प से होती है।

15 अगस्त का यह आयोजन इस बात का प्रतीक बना कि स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ तभी सार्थक होता है, जब समाज का प्रत्येक बच्चा अपने सपनों को उड़ान देने के लिए समान अवसर प्राप्त करे। दिव्यांग बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना और उन्हें उनकी प्रतिभा के अनुरूप अवसर देना हम सभी की जिम्मेदारी है। जब किसी बच्चे को विश्वास और प्रोत्साहन मिलता है, तो वह अपनी क्षमताओं को पहचानकर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकता है। ॐकार फाउंडेशन ट्रस्ट द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम बच्चों के लिए खुशी और उत्साह का अवसर होने के साथ-साथ समाज के लिए एक प्रेरणादायी संदेश भी रहा। इन नन्हे सितारों की मुस्कान, आत्मविश्वास और देशभक्ति ने स्वतंत्रता दिवस को वास्तव में विशेष बना दिया। फैंसी ड्रेस से लेकर देशभक्ति गीत और डांस तक, बच्चों ने हर गतिविधि में पूरे उत्साह के साथ सहभागिता की। उनकी मासूम मुस्कान और शानदार प्रस्तुतियों ने यह साबित किया कि प्रतिभा किसी सीमा की मोहताज नहीं होती। आवश्यकता केवल अवसर, सम्मान और विश्वास की है।

ॐकार फाउंडेशन ट्रस्ट का यह प्रयास दिव्यांग बच्चों के भीतर छिपी प्रतिभा को पहचानने, उन्हें प्रोत्साहित करने और समाज की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में एक सराहनीय पहल है। 15 अगस्त 2026 की यह यादगार सुबह बच्चों के लिए लंबे समय तक खुशी, गर्व और प्रेरणा की स्मृति बनी रहेगी। एक संदेश, जो सबके दिल तक पहुँचा इस पूरे आयोजन ने एक खूबसूरत संदेश दिया “जब हर बच्चे को समान अवसर मिलता है, तब उसकी प्रतिभा को उड़ान मिलती है।” इन नन्हे कदमों ने स्वतंत्रता दिवस पर केवल देशभक्ति का उत्सव नहीं मनाया, बल्कि समाज को यह भी याद दिलाया कि हर बच्चे में आगे बढ़ने की क्षमता है। जरूरत है तो सिर्फ उसे पहचानने, सम्मान देने और सही अवसर देने की।

स्मित चाइल्ड एजुकेशन ट्रस्ट में मनोदिव्यांग बच्चों ने मनाया खास फ्रेंडशिप डे

अहमदाबाद के अख़बार नगर स्थित स्मित चाइल्ड एजुकेशन ट्रस्ट में मनोदिव्यांग बच्चों के लिए फ्रेंडशिप डे का विशेष आयोजन किया गया। बच्चों ने इस दिन को बेहद उत्साह और उमंग के साथ मनाया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों के बीच प्रेम, मित्रता, अपनापन और आपसी सहयोग की भावना को मजबूत करना था। फ्रेंडशिप डे के अवसर पर बच्चों ने एक-दूसरे को गुलाब के फूल देकर अपनी दोस्ती का इजहार किया। किसी के चेहरे पर खिली मुस्कान तो किसी की आंखों में खुशी साफ नजर आ रही थी। गुलाब का फूल पाकर बच्चों ने एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं और दोस्ती के इस खूबसूरत रिश्ते को और मजबूत बनाने का संकल्प लिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने मिल-जुलकर खूब मस्ती की। एक-दूसरे के साथ समय बिताते हुए बच्चों ने गीत-संगीत और मनोरंजक गतिविधियों का आनंद लिया। उनकी खुशी और उत्साह ने पूरे वातावरण को खुशनुमा बना दिया। शिक्षकों और ट्रस्ट के सदस्यों ने भी बच्चों का उत्साह बढ़ाया और उन्हें दोस्ती के महत्व के बारे में समझाया। स्मित चाइल्ड एजुकेशन ट्रस्ट लगातार मनोदिव्यांग बच्चों के सर्वांगीण विकास और उनके जीवन में खुशियां भरने के लिए प्रयासरत है। ऐसे आयोजन बच्चों को समाज से जुड़ने, अपनी भावनाएं व्यक्त करने और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का अवसर देते हैं। फ्रेंडशिप डे का यह आयोजन बच्चों के लिए यादगार बन गया। सभी बच्चों ने इस खास दिन का भरपूर आनंद लिया और दोस्ती के खूबसूरत रंगों में रंगकर खुशी-खुशी घर लौटे।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के साथ दिव्यांग बहनों ने मनाया रक्षाबंधन

गुजरात के माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के साथ दिव्यांग बहनों द्वारा रक्षाबंधन का विशेष पर्व मनाया गया। इस अवसर पर दिव्यांग बहनों ने मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की कलाई पर राखी बांधकर प्रेम, सम्मान, कृतज्ञता और आशीर्वाद की भावनाएं व्यक्त कीं। रक्षाबंधन के इस भावपूर्ण अवसर पर दिव्यांग बहनों ने उनके प्रति अपना आभार व्यक्त करते हुए गुजरात को सुरक्षित, समावेशी और सशक्त राज्य बनाने की दिशा में उनके सहयोग एवं प्रतिबद्धता की सराहना की। इस अवसर ने यह संदेश भी दिया कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के रिश्ते का पर्व नहीं, बल्कि विश्वास, सुरक्षा, सम्मान और अपनत्व के बंधन का प्रतीक है। दिव्यांग बहनों की सहभागिता ने इस पर्व को और अधिक भावनात्मक एवं विशेष बना दिया। दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना, उन्हें समान अवसर प्रदान करना और उनके अधिकारों एवं सम्मान को सुनिश्चित करना एक समावेशी समाज की पहचान है।

रक्षाबंधन का यह आयोजन इसी भावना को मजबूत करने वाला एक सुंदर अवसर बना। दिव्यांग बहनों द्वारा बांधी गई राखी में केवल एक धागा नहीं, बल्कि सम्मान, विश्वास, प्रेम और सुरक्षित भविष्य की शुभकामनाएं जुड़ी थीं। इस विशेष मुलाकात ने समानता और समावेशिता के संदेश को और मजबूत किया तथा दिव्यांगजनों के प्रति समाज की सकारात्मक सोच को आगे बढ़ाने की प्रेरणा दी।

सारंगपुर हनुमानजी के दर्शन से दिव्यांग बच्चों के चेहरे पर खिला आनंद

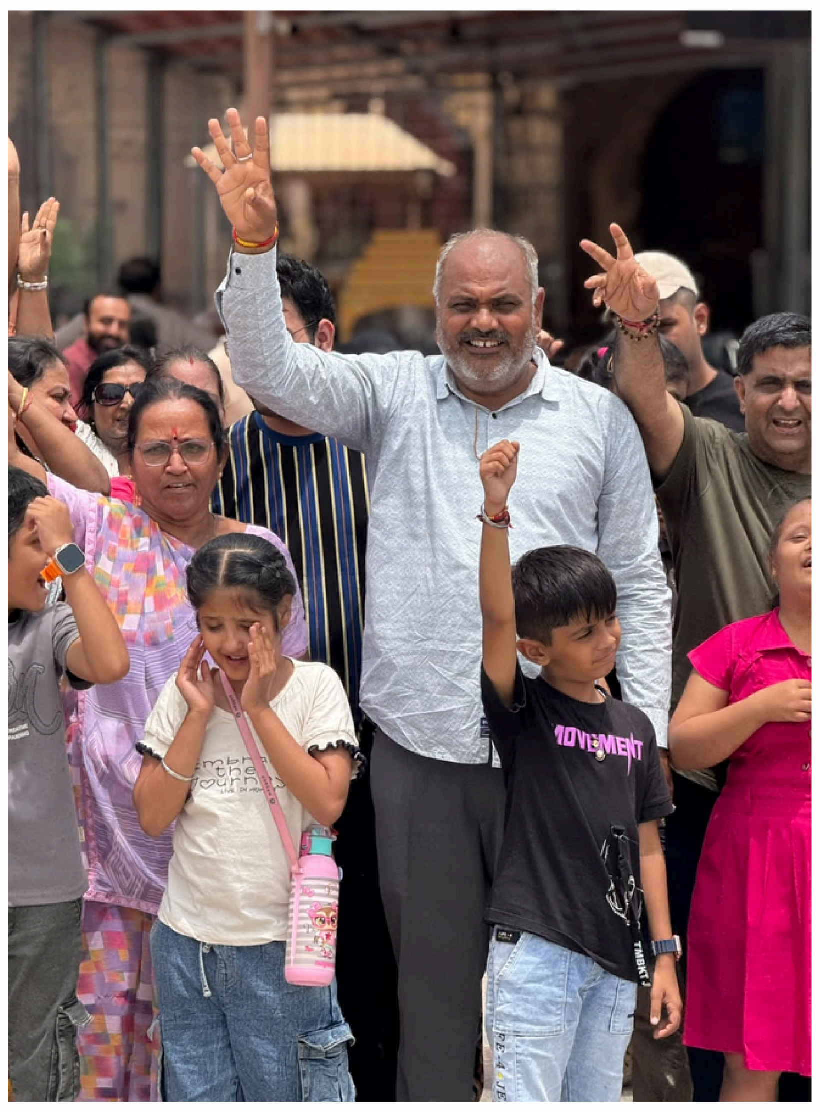

अहमदाबाद के अखबार नगर, नवा वाडज क्षेत्र में मनोदिव्यांग बच्चों के लिए निरंतर सेवा और समर्पण के साथ कार्यरत स्मित चाइल्ड एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा बच्चों के लिए एक दिवसीय धार्मिक एवं आनंददायक यात्रा का आयोजन किया गया। इस यात्रा के अंतर्गत ट्रस्ट के मनोदिव्यांग बच्चों को श्रद्धा और उत्साह के साथ सारंगपुर स्थित प्रसिद्ध श्री कष्टभंजन देव हनुमानजी मंदिर के दर्शन के लिए ले जाया गया। बच्चों के लिए यह यात्रा केवल धार्मिक स्थल के दर्शन तक सीमित नहीं थी, बल्कि उनके जीवन में खुशी, उत्साह और सकारात्मक अनुभव जोड़ने का एक सुंदर प्रयास भी था। यात्रा के दौरान बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला। मंदिर पहुंचने पर बच्चों ने श्रद्धापूर्वक हनुमानजी के दर्शन किए और सभी के सुख, स्वास्थ्य एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रार्थना की।

वोइस टू दिव्यांग

मंदिर परिसर में पहुंचते ही बच्चों के चेहरों पर खुशी और उत्साह साफ दिखाई दे रहा था। अपने साथियों और शिक्षकों के साथ यात्रा का आनंद लेते हुए बच्चों ने पूरे दिन को उत्साहपूर्वक बिताया। धार्मिक वातावरण में बच्चों ने श्रद्धा के साथ दर्शन किए और इस विशेष अनुभव को अपने साथ संजोया। ऐसे आयोजन बच्चों के जीवन में केवल मनोरंजन ही नहीं, बल्कि सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास को बढ़ाने का माध्यम भी बनते हैं।

स्मित चाइल्ड एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा मनोदिव्यांग बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक, सांस्कृतिक और मनोरंजक गतिविधियों को भी विशेष महत्व दिया जाता है। ऐसी यात्राएं बच्चों को समाज और प्रकृति से जुड़ने, नए स्थानों को देखने तथा अपने साथियों के साथ समय बिताने का अवसर प्रदान करती हैं। यात्रा के दौरान बच्चों ने आपस में खूब आनंद लिया और अपने साथियों तथा शिक्षकों के साथ हंसी-खुशी के पल बिताए। रास्ते से लेकर मंदिर परिसर तक बच्चों में उत्साह और उमंग देखने को मिली। उनके चेहरों पर दिखाई देने वाली मुस्कान इस बात का प्रमाण थी कि यह एक दिवसीय यात्रा उनके लिए एक यादगार अनुभव बन गई।

वोइस टू दिव्यांग

स्मित चाइल्ड एजुकेशन ट्रस्ट में तिरंगे के रंगों में रंगा स्वतंत्रता दिवस

देश का स्वतंत्रता दिवस प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व, सम्मान और देशभक्ति का पर्व है। 15 अगस्त का दिन हमें उन महान स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान की याद दिलाता है, जिन्होंने देश को आजादी दिलाने के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। इसी राष्ट्रीय भावना को मन में संजोते हुए मनोदिव्यांग बच्चों के लिए निरंतर कार्यरत स्मित चाइल्ड एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस का विशेष कार्यक्रम उत्साह और उमंग के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में देशप्रेम, राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सहभागिता की भावना को प्रोत्साहित करना था।

कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों के लिए राष्ट्रीय ध्वज ड्रॉइंग गतिविधि का आयोजन किया गया। सभी बच्चों ने अपनी कल्पनाशक्ति और रचनात्मकता का उपयोग करते हुए तिरंगे का चित्र बनाया। किसी बच्चे ने तिरंगे को सुंदर रंगों से सजाया, तो किसी ने उसके साथ देशभक्ति से जुड़े चित्र और संदेश बनाए। बच्चों द्वारा बनाए गए इन चित्रों में उनके मन में बसे देशप्रेम और उत्साह की सुंदर झलक देखने को मिली। उनके चेहरे पर दिखाई दे रही खुशी और आत्मविश्वास ने पूरे वातावरण को आनंदमय बना दिया। इसके बाद सभी बच्चों ने एक साथ राष्ट्रगान गाया और सम्मानपूर्वक राष्ट्रध्वज को सलामी दी। राष्ट्रगान के दौरान बच्चों में दिखाई देने वाली देशभक्ति की भावना ने उपस्थित सभी लोगों के मन को भावुक और गौरवान्वित कर दिया। यह क्षण बच्चों के लिए भी अत्यंत विशेष रहा, क्योंकि उन्होंने राष्ट्रीय पर्व में अपनी सक्रिय भागीदारी के माध्यम से देश के प्रति सम्मान व्यक्त किया।

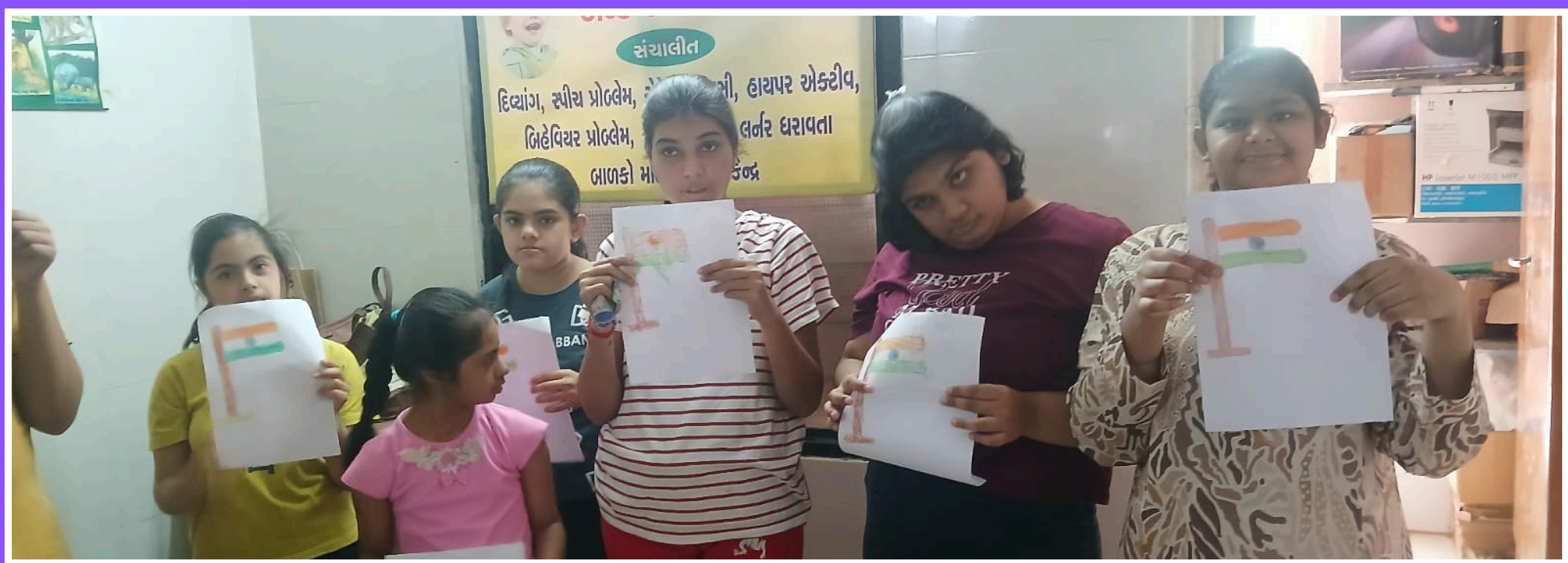

कार्यक्रम को और अधिक आनंददायक बनाने के लिए बच्चों के लिए विभिन्न इंडोर खेलों और मनोरंजक गतिविधियों का भी आयोजन किया गया। बच्चों ने खेलों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और एक-दूसरे का उत्साह बढ़ाया। इन खेलों के माध्यम से बच्चों में आपसी सहयोग, अनुशासन, धैर्य और टीम भावना को बढ़ावा मिला। खेलों के दौरान बच्चों की हंसी, खुशी और उत्साह से पूरा वातावरण जीवंत हो उठा। कार्यक्रम के अंत में सभी बच्चों के लिए स्नेहपूर्वक स्वादिष्ट लंच की व्यवस्था की गई। बच्चों ने साथ बैठकर भोजन का आनंद लिया और स्वतंत्रता दिवस की खुशियों को आपस में साझा किया। पूरे आयोजन में बच्चों की खुशी और मुस्कान सबसे खास आकर्षण रही।

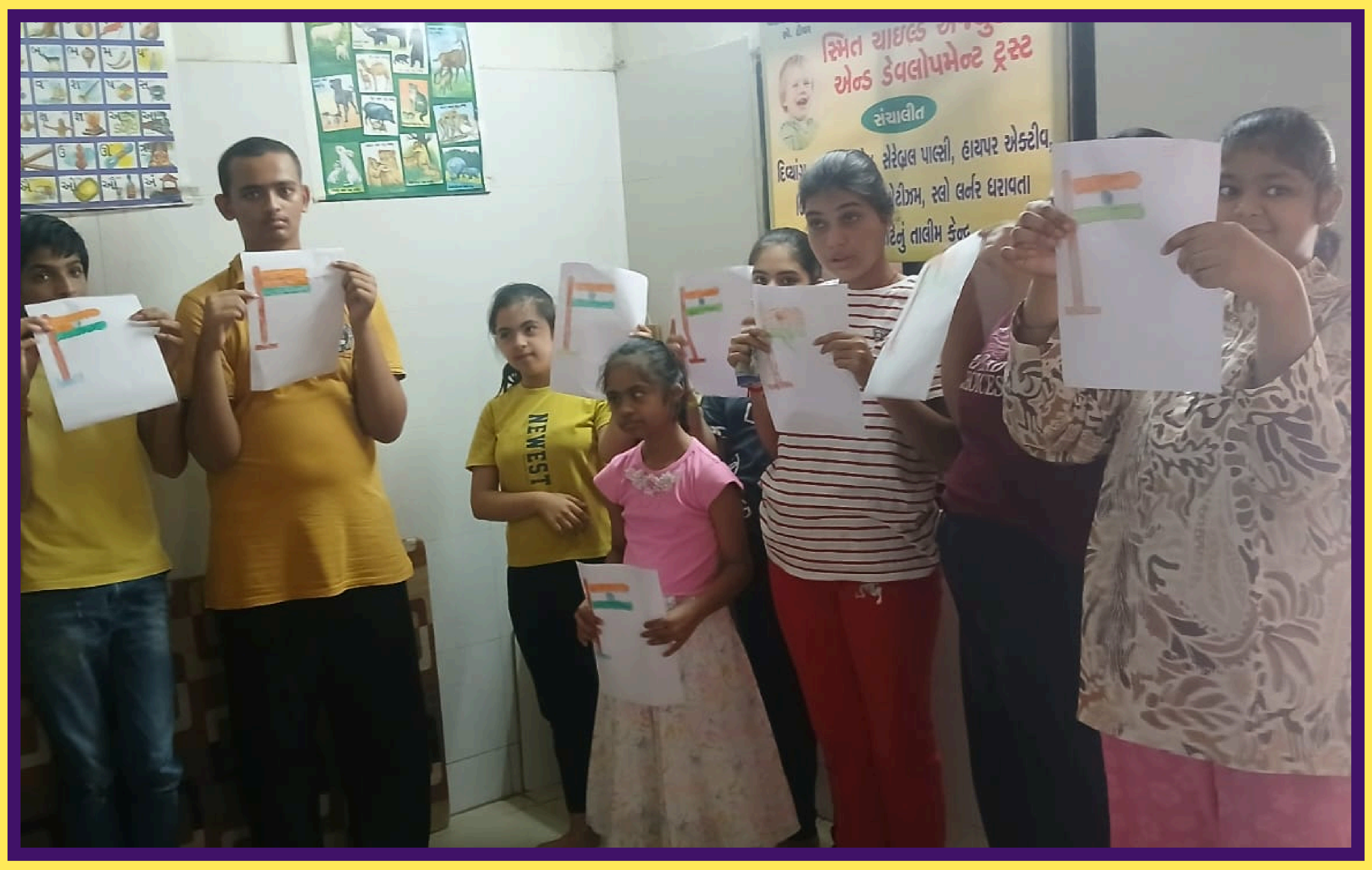

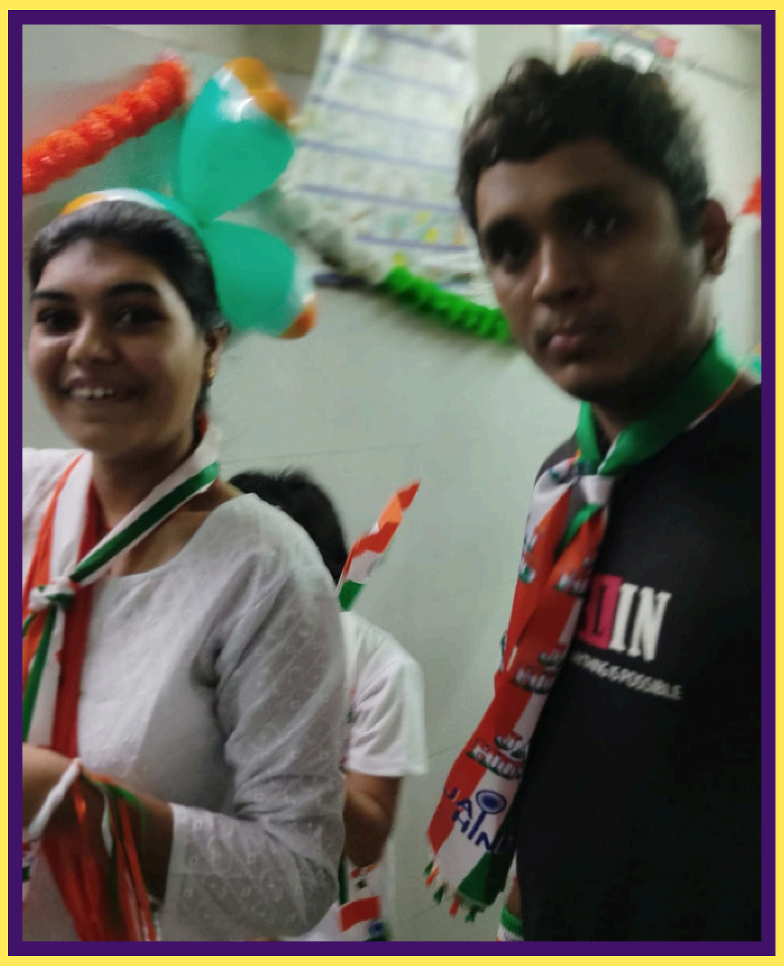

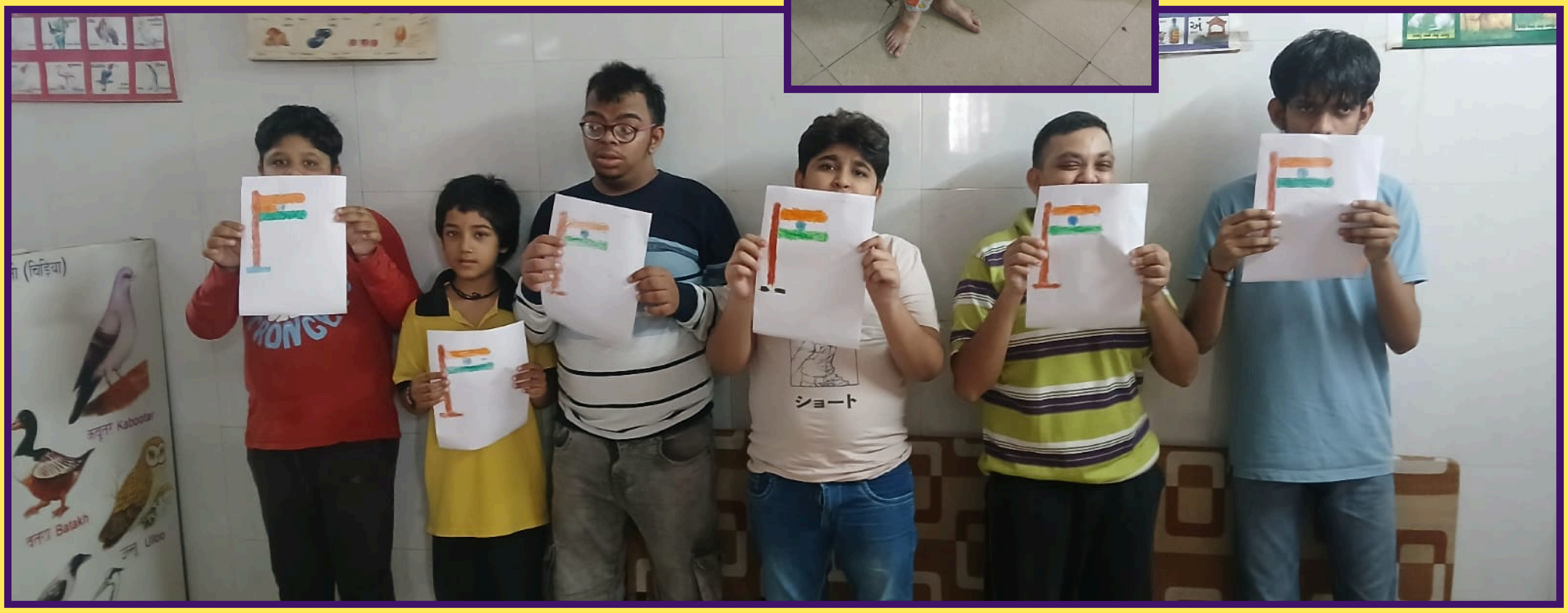

स्मित चाइल्ड एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा आयोजित यह स्वतंत्रता दिवस समारोह इस बात का सुंदर उदाहरण रहा कि अवसर और प्रोत्साहन मिलने पर विशेष बच्चे भी अपनी प्रतिभा, भावनाओं और क्षमताओं को पूरे आत्मविश्वास के साथ व्यक्त कर सकते हैं। ऐसे आयोजन बच्चों के भीतर आत्मविश्वास जगाने के साथ-साथ उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। स्वतंत्रता दिवस का यह आयोजन बच्चों के लिए यादगार बन गया। उनके हाथों में बने तिरंगे, राष्ट्रगान के दौरान उनकी आवाज और चेहरे पर खिली मुस्कान ने पूरे कार्यक्रम को देशभक्ति, प्रेम और सकारात्मकता से भर दिया। स्मित चाइल्ड एजुकेशन ट्रस्ट का यह प्रयास निश्चित रूप से विशेष बच्चों के जीवन में खुशियों और आत्मविश्वास के नए रंग भरने की दिशा में एक सराहनीय कदम है।

मनोदिव्यांग लाभार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए विशेष यज्ञ

मनोदिव्यांग बच्चों के सर्वांगीण विकास और उनके मानसिक स्वास्थ्य में सकारात्मक बदलाव लाने के उद्देश्य से नवजीवन चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा एक विशेष यज्ञ का आयोजन किया गया। यह आयोजन नवजीवन परिवार के लिए श्रद्धा, सेवा और सकारात्मक ऊर्जा से जुड़ा एक विशेष अवसर रहा। कार्यक्रम में मनोदिव्यांग लाभार्थियों के साथ उनके माता-पिता एवं अभिभावकों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की और यज्ञ में आहुतियां अर्पित कीं।

मनोदिव्यांग बच्चों के विकास के लिए परिवार सामान्यतः दवाइयों, प्रशिक्षण, विशेष शिक्षा तथा विभिन्न प्रकार की थैरेपी का सहारा लेते हैं। प्रत्येक बच्चे की आवश्यकताएं और चुनौतियां अलग-अलग होती हैं, इसलिए उनके विकास के लिए निरंतर प्रयास करना आवश्यक होता है। इसी सोच के साथ नवजीवन चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा मानसिक स्वास्थ्य एवं सकारात्मक वातावरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारतीय शास्त्रों, वेदों और प्राचीन साहित्य में वर्णित यज्ञ परंपरा को भी एक सहायक गतिविधि के रूप में अपनाने का प्रयास किया गया। संस्था के एक शुभचिंतक द्वारा भारतीय शास्त्रों, वेदों एवं साहित्य का गहन अध्ययन और विश्लेषण किया गया। इसी अध्ययन के आधार पर यज्ञ पद्धति से संबंधित कुछ पारंपरिक उपायों की जानकारी संस्था के साथ साझा की गई। इस पहल के अंतर्गत वेद मंत्रों के उच्चारण के साथ प्राकृतिक औषधीय सामग्री से यज्ञ किया गया तथा लाभार्थियों को 108 आहुतियां अर्पित करने में सहभागी बनाया गया।

आयोजकों के अनुसार, पारंपरिक यज्ञ पद्धति में अलग-अलग उद्देश्यों के लिए विभिन्न प्रकार की धूप, हवन सामग्री और प्राकृतिक तत्वों के उपयोग का उल्लेख मिलता है। मनोदिव्यांग बच्चों में समझने की क्षमता, व्यवहार संबंधी चुनौतियों तथा अन्य विशेष आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग पारंपरिक सामग्री के उपयोग की जानकारी भी साझा की गई। कुछ विशेष परिस्थितियों में अलग प्रकार की हवन सामग्री एवं बीजों के उपयोग का भी उल्लेख किया गया। इस विशेष आयोजन का मुख्य उद्देश्य बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना, उन्हें सकारात्मक एवं शांत वातावरण प्रदान करना तथा परिवारों को भारतीय परंपराओं से जुड़े ऐसे प्रयासों से परिचित कराना था। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने अपने माता-पिता एवं संस्था के कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर यज्ञ में आहुति दी। वेद मंत्रों के उच्चारण और हवन की सुगंध से पूरा वातावरण आध्यात्मिक एवं सकारात्मक ऊर्जा से भर गया।

इस अवसर पर अभिभावकों की सहभागिता विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। अपने बच्चों के बेहतर भविष्य और विकास की कामना के साथ माता-पिता ने पूरे मनोयोग से यज्ञ में भाग लिया। संस्था के कार्यकर्ताओं ने भी बच्चों को सहजता से इस प्रक्रिया में शामिल किया, जिससे बच्चों के लिए यह अनुभव आनंददायक और यादगार बन गया। नवजीवन चैरिटेबल ट्रस्ट लंबे समय से विशेष आवश्यकता वाले बच्चों और उनके परिवारों के सहयोग के लिए विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से प्रयासरत है। संस्था का मानना है कि बच्चों के विकास के लिए शिक्षा, प्रशिक्षण, थैरेपी, पारिवारिक सहयोग और सकारात्मक वातावरण सभी महत्वपूर्ण पहलू हैं। इसी क्रम में भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जुड़े इस आयोजन को भी एक सकारात्मक पहल के रूप में देखा गया।

श्री अमित शाह से मिले दिव्यांग क्रिकेट टीम के खिलाड़ी

नई दिल्ली में भारत की दिव्यांग पुरुष क्रिकेट टीम से मुलाकात का अवसर खिलाड़ियों के लिए बेहद गौरवपूर्ण और प्रेरणादायी रहा। इंग्लैंड दौरे से लौटकर आई भारतीय टीम ने भारत-इंग्लैंड पुरुष मिश्रित दिव्यांग टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज़ 2026 में अपने शानदार खेल, मेहनत और दृढ़ संकल्प से देश का नाम रोशन किया।

इस अवसर पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने भारतीय दिव्यांग क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों से मुलाकात की। उन्होंने खिलाड़ियों के प्रयासों, संघर्ष और देश के लिए सम्मान हासिल करने की उनकी भावना की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। श्री अमित शाह की ओर से मिला यह प्रोत्साहन खिलाड़ियों के लिए निश्चित रूप से आत्मविश्वास और उत्साह बढ़ाने वाला है।

भारतीय दिव्यांग क्रिकेट टीम की सफलता केवल खेल के मैदान की उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह पूरे समाज के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश है। इन खिलाड़ियों ने साबित किया है कि दिव्यांगता किसी व्यक्ति की प्रतिभा, क्षमता और सपनों की राह में बाधा नहीं बन सकती। आवश्यकता है तो केवल उचित अवसर, प्रशिक्षण, सहयोग और विश्वास की।

वोइस टू दिव्यांग

इंग्लैंड दौरे के दौरान खिलाड़ियों ने जिस अनुशासन, मेहनत, टीम भावना और आत्मविश्वास के साथ प्रदर्शन किया, वह देश के युवाओं के लिए प्रेरणा है। उनका संघर्ष और समर्पण यह बताता है कि दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ कठिन से कठिन लक्ष्य को भी हासिल किया जा सकता है। दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने और उन्हें समान अधिकार एवं समान अवसर दिलाने की दिशा में ऐसे खिलाड़ियों की उपलब्धियां महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। खेल एक ऐसा माध्यम है, जिसके द्वारा दिव्यांग प्रतिभाएं अपनी पहचान बनाने के साथ-साथ पूरे देश को गौरवान्वित कर सकती हैं।

दिव्यांग सेतु दिव्यांगजनों की प्रतिभा, उपलब्धियों, संघर्ष और सफलता की प्रेरणादायी कहानियों को समाज तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। हमारा उद्देश्य है कि दिव्यांगजनों के प्रति समाज में सकारात्मक सोच विकसित हो और उन्हें दया नहीं, बल्कि सम्मान, समान अधिकार और समान अवसर मिले। भारतीय दिव्यांग पुरुष क्रिकेट टीम आज देश के लाखों दिव्यांग बच्चों और युवाओं के लिए प्रेरणा बन चुकी है। खिलाड़ियों का जज़्बा और उनकी उपलब्धियां नई पीढ़ी को अपने सपनों की ओर आगे बढ़ने का हौसला देती हैं। दिव्यांग सेतु की ओर से भारतीय दिव्यांग पुरुष क्रिकेट टीम के सभी खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई एवं भविष्य की उपलब्धियों के लिए शुभकामनाएं। देश के लिए आपका समर्पण और जज़्बा वास्तव में प्रेरणादायी है। आपका संघर्ष और सफलता समान अधिकार वाले सशक्त और समावेशी भारत की दिशा में एक मजबूत कदम है।

ॐकार फाउन्डेशन ट्रस्ट संचालित

(N.G.O.)

संचालित

ॐकार दिव्यांग ट्रेनींग डे-केर सेन्टर

मानसिक दिव्यांग बच्चों के लिए निःशुल्क तालीम संस्था

▲ DIVYANG KITE FESTIVAL ▲ SPORTS DAY CELIBRATION ▲ REPUBLIC DAY CELIBRATION ▲ HOLI CELIBRATION ▲ KIDS FASHION SHOW ▲ DRAWING COMPITITION ▲ WORLD ENVIRONMENT DAY ▲ DISABILITY AWARNESS CAMP ▲ ART & CRAFT WORK SHOP ▲ FUN & GAMES (MINUTE TO WIN IT) ▲ NAVRATRI CELIBRATION

★★★ शाला में प्रवेश के लिए संपर्क करें ★★★

सुमेल ५, हाउस नं.: ४८/डी, बिजनेस पार्क, चामुंडा ब्रीज कोर्नर,
असारवा, अहमदाबाद-३८००१६ मो.: 99749 55125, 7575876618